8. हमारे त्योहार

सभी धर्मों के लोग त्योहार मनाते हैं। हम सबको त्योहार मिल-जुलकर मनाने चाहिए।

होली आई-होली आई,
रंग-बिरंगी होली आई।
गुझिया खाओ, रंग लगाओ,
एक-दूजे को गले लगाओ।

अमावस की रात है काली,
जगमग-जगमग आई दीवाली।
दीप जलाओ, मिठाई खाओ,
पटाखों को न हाथ लगाओ।

सब मिल-जुलकर ईद मनाओ,
हिलमिल सबको गले लगाओ।
ईदी अब्बा से ले आओ,
मीठी-मीठी सेवइयाँ खाओ।

संकेतः कविता से मिलने वाली सीख का स्टीकर छात्रों से अपनी कॉपी में लगाने को कहें।

Scanned with CamScanner

गुरुपूरब की छटा निराली,
गुरु की वाणी सबने मानी।
नगर-कीर्तन में सब जाओ,
सब मिल-जुलकर झूमो गाओ।

क्रिसमस का त्योहार है आया,
सेंटाक्लॉज उपहार है लाया।
मिलकर क्रिसमस ट्री सजाओ,
मोमबत्ती जलाओ, केक खाओ।

हम सबको करते हैं एक,
प्यार बढ़ाते हैं त्योहार।
दूरी सभी मिटा देते हैं,
पास-पास लाते त्योहार।

Scanned with CamScanner

अभ्यास

शब्दार्थ–

गुझिया	एक मिठाई	निराली	अनोखी
अब्बा	पिता		

पाठ को समझें

1. पंक्ति के सही अर्थ पर ✓ लगाओ–

क. रंग-बिरंगी होली आई

- विभिन्न रंगों को होली कहते हैं। ☐
- होली रंगों का त्योहार है। ☑
- होली का नाम रंगों से लिखते हैं। ☐

ख. पटाखों को न हाथ लगाओ

- पटाखे हाथ में मत लो। ☐
- पटाखे छूना मना है। ☐
- पटाखे मत जलाओ। ☑

ग. पास-पास लाते त्योहार

- त्योहार आने पर सब साथ रहते हैं। ☐
- त्योहार हमें करीब लाते हैं। ☑
- त्योहार पर दूर नहीं रहना चाहिए। ☐

Scanned with CamScanner

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

मौखिक–

क. दीवाली पर हम क्या जलाते हैं?

दीवाली पर हम दीप जलाते हैं।

ख. नगर कीर्तन कब निकालते हैं?

नगर कीर्तन गुरुपर्व वाले दिन निकालते हैं

ग. ईद पर हम क्या करते हैं?

ईद पर सबको गले लगाते हैं और मीठी सेवइयाँ खाते हैं।

लिखित–

क. होली पर हम क्या करते हैं?

होली पर हम सबको रंग लगाते हैं तथा गुझिया खाते हैं।

ख. ईदी कब और किससे माँगते हैं?

ईदी ईद वाले दिन माँगते हैं। और अब्बा से माँगते हैं।

ग. त्योहार मनाने से क्या होता है?

त्योहार मनाने से सारी दूरियाँ मिट जाती हैं तथा आपस में प्यार बढ़ता है। ये त्योहार हमें एक करते हैं और पास-पास लाते हैं।

3. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–

क. अमावस की रात है काली,
जगमग जगमग आई दीवाली।
दीप जलाओ, मिठाई खाओ,
पटाखों को न हाथ लगाओ।

ख. हम सबको करते हैं एक,
प्यार बढ़ाते हैं त्योहार।
दूरी सभी मिटा देते हैं,
पास-पास लाते त्योहार।

Scanned with CamScanner

भाषा को समझें

1. चित्र देखकर पढ़ो और समझो–

गुझिया खाना   दीप जलाना   रंग लगाना

ये रंगीन शब्द काम का करना या होना बता रहे हैं।

अब चित्र देखकर लिखो, इनमें क्या काम हो रहा है–

पीना   नाचना   सजाना

सजाना .... पीना .... नाचना

2. कविता में से पाँच नाम शब्द छाँटकर लिखो–

गुझिया .... दीप .... अब्बा .... गुरू .... मोमबत्ती

3. 'में' या 'मैं' लगाकर वाक्य पूरे करो–

क. होली में रंग लगाते हैं।

ख. मैं दीवाली पर मिठाई खाता हूँ।

ग. मैं सबके साथ प्यार से रहता हूँ।

घ. सब नगर–कीर्तन में जाते हैं।

Scanned with CamScanner